Total Pages : 4

4602

M.A. (Previous) Examination, 2017

RAJASTHANI SAHITYA

Paper–II

(Adhunik Kavya)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

• Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई दो प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई-I

(अ) 'वीर सतसई' काव्य की काव्यगत शैली बताइए।

(ब) बलवद्विलास एवं छंदोमयूख किसकी रचना है।

इकाई-II

(स) ''रोयां रूजगार मिळै कोनी'' कविता से क्या अभिप्राय है?

(द) ''लिछमी'' कविता में कवि लक्ष्मी को कहाँ जाने से रोकता है?

इकाई-III

(य) 'लीलटांस' से क्या अभिप्राय है?

(र) हाथी व चींटी को किस कविता में और किसका डर है?

इकाई-IV

(ल) 'मानखो' काव्य का मूल सन्देश क्या है?

(व) गालव ऋषि किस-किस की सभा में बैठते थे?

इकाई-V

(श) युधिष्ठिर की सभा का कौन और किनके साथ मंनोरंजन करता था?

(ष) 'मानखो' और 'लीलटांस' काव्य के रचयिता कौन है?

खण्ड-ब

इकाई-I

2. 'वीर सतसई' में चरित्रांकित स्वामि-भक्ति को उदाहरण सहित समझाइए।

3. 'वीर सतसई' की वीर नारी के चरित्र को उदाहरण सहित प्रस्तुत कीजिए।

इकाई-II

4. 'लीलटांस' काव्य संग्रह की कविता 'मिणधर सरप' के सार को अपने शब्दों में लिखिए।

5. 'लीलटांस' काव्य संग्रह की कविता 'मिणधर सरप' के सार को अपने शब्दों में लिखिए।

इकाई-III

6. 'मानखो' काव्य के भाव पक्ष को उजागर कीजिए।

7. 'मानखो' काव्य नारी संवेदना को उजागर करने वाला काव्य है उदाहरण सहित वाक्य की पुष्टि कीजिए।

इकाई-IV

8. 'चेत मांनखा' काव्य के भाव पक्ष को उदाहरण सहित प्रस्तुत कीजिए।

9. 'चेत मांनखा' काव्य में कल्पना और यथार्थ के बीच अद्‌भुत कलात्मक समन्वय है। स्पष्ट कीजिए।

इकाई-V

10. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

महलाँ लूहण धाड़वी, झूँपड़ियाँ न सुहाय।

झूँपड़ियाँ री लूट में, जीव सीलणै जाय।।

नहँ बीरा त्रण झूपड़ै, धाड़ो एथ खटाय।

पावै दादुर छाप री, काला रै झण काय।

11. जद मेह-अंधरी रातां में, तूटौड़ी ढांणी चवती ही

तो मारू रा रंगमैलां में, दारू री मैफिल जमती ही

जद वा ऊनाळू लूआं में, करसै री काया बळती ही

तो छैल भंवर रै चौबारै, चौपड़ री जाजम ढळती ही।

खण्ड-स

12. सूर्यमल्ल मीसण के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर एक लेख लिखिए।

13. 'चेतमानखां' काव्य शोषण और संघर्ष को उजागर करने वाला काव्य है। सोदाहरण पुष्टि कीजिए।

14. 'लीलटांस' काव्य की कविताएँ जीवन के विविध विषयों को अभिव्यक्ति प्रदान करती है। स्पष्ट कीजिए।

15. 'मानखो' काव्य का खण्ड काव्य की दृष्टि से मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए।